(विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से सम्बद्ध)

सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान, मध्यप्रदेश

प्रान्तीय कार्यालयः 'प्रज्ञादीप' हर्षवर्धन नगर, भोपाल-४६२००३

दूरभाषः (0755) 2761225, ई-मेलः ***vidyabhartibpl@gmail.com,***

पंजीयन क्र.-17195

www.vidyabhartimp.org ***Date: 7-10-1986***

पत्र क्रमांक : 107/2020 दिनांक- 14/08/2020

प्रति,

श्रीमान प्राचार्य/प्रधानाचार्य महोदय,

सरस्वती शिशु/ विद्या मंदिर.........

मध्यभारत प्रान्त।

विषयः- स्वदेशी -स्वावलम्बन, स्वतंत्रता दिवस, श्री गणेश चतुर्थी।

बन्धुवर,

सादर नमस्कार।

विद्या भारती के विचार एवम् कार्य पद्धति में सदैव ही स्वदेशी व स्वाबलम्बन पर बल दिया है। स्वदेशी का अर्थ बड़ा ही व्यापक है। स्वदेशी का अर्थ - विदेशी वस्तुओं का त्याग, इतने मात्र तक सीमित नही है, वरन् स्वदेशी में स्वदेश, स्वभाषा, स्ववेशभूषा, स्वचिकित्सा पद्धति, संस्कृतिनिष्ठा तथा स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग आदि सभी का समावेश होता है। स्वदेशी का एक अर्थ यह भी है कि अपने स्थानीय उत्पादों को खरीद कर उसे बढ़ावा देना। जिससे स्थानीय कुशल कारीगर बेरोजगार न हों। इसी को हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र भाई मोदी जी ने VOCAL FOR LOCAL कहा है।

आने वाले दिनो में स्वतंत्रता दिवस तथा स्वदेशी सप्ताह 25 सितम्बर से 02 अक्टूबर (प. दीनदयाल उपाध्याय जयन्ति से महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयन्ति) तक के कार्यक्रम आने वाले है। यह सभी कार्यक्रम हमारे कार्य के विस्तार एवं विकास में सहयोगी होने वाले है।

आप से आग्रह है कि इस सम्बन्ध में आप विद्यालय की योजना बनाकर कार्यक्रमों का आयोजन करें। इस सम्बन्ध में कुछ बिन्दु निम्नानुसार हैं -

1. स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त): इस वर्ष पन्द्रह अगस्त का कार्यक्रम अलग स्वरूप से ही आयोजित करना होगा। समस्त आचार्य कार्यक्रम में उपस्थित रहें तथा विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन कार्यक्रम हो। चयनित विद्यार्थियों के कार्यक्रम प्री-रिकॉर्डिंग करके प्रस्तुत किये जा सकते हैं। मुख्य अतिथि/वक्ता का उद्बोधन ऑनलाइन रहना उचित होगा।

मा. प्रधानमंत्री जी ने इस दिन कोरोना से मुक्ति की शपथ लेने का आग्रह किया है। हम छात्रों व अभिभावकों से COVID-19 से बचाव हेतु आवश्यक व्यवस्थाओं यथा-मास्क लगाना, शारीरिक दूरी बनाए रखना, बार-बार हाथ धोना, अनावश्यक बाहर जाने से बचना, फास्ट-फूड या बाजार के खाने से बचना आदि का आग्रह कर शपथ भी दिला सकते हैं। 15 अगस्त को परिवारों में स्वदेशी आचरण का संकल्प कराना है।

2. गणेश चतुर्थीः गणनायक गणपति का आगमन समाज को उत्साह से भरपूर बना देता है। प्रतिवर्ष की भांति अभिभावकों से घर पर निर्मित गणेश प्रतिमा की स्थापना का आग्रह रहे। पर्यावरणानुकूल गणेश प्रतिमाओं का निर्माण विद्यालयों में भी किया जा सकता है। विद्यार्थियों की कक्षाशः ऑनलाइन या ऑफलाइन प्रतियोगिताएं इस उत्सव में करवाई जा सकती है। भजन गायन, आरती गायन, महापुरुषों की वेशभूषा, सामान्य व संस्कृति ज्ञान, नृत्य आदि के वीडियो बनाकर भैया-बहिन विद्यालयों को भेज सकते हैं, जिसे वाट्सएप ग्रुप द्वारा कक्षा के व विद्यालय के छात्रों को भेजा जा सकता है।

3. स्वदेशी सप्ताह (25 सितम्बर से 02 अक्टूबर):

- विद्यालय स्तर पर स्वदेशी स्वावलम्बन हेतु योजना करना।
- स्थानीय उत्पादों की सामग्री सूची तैयार कर वितरित करना।
- चीनी कम्पनियां भारत छोड़ो आन्दोलन में सहभागिता।
- घर व परिवारों में स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग हेतु संकल्प कराना।

इसके अतिरिक्त स्थानीय स्तर पर ओर भी कार्यक्रम तैयार किये जा सकते हैं।

हम सब यह जानते ही हैं कि यह वर्ष श्रद्धेय दत्तोपन्त जी ठेंगड़ी के जन्म शतवार्षिकी का वर्ष है। वैसे देशभर में उद्घाटन कार्यक्रम सोत्साह सम्पन्न भी हुए, परन्तु कोरोना संकट के कारण आगे कार्यक्रम नहीं हो सके हैं। अब 10 अक्टूबर से 10 नवम्बर तक इस सम्बन्ध में परिस्थितिनुसार कार्यक्रम करना है। श्रद्धेय दत्तोपन्त जी के विचार समाज तक पहुंचे, यह इन कार्यक्रमों का उद्देश्य रहे। इस सम्बन्ध में स्थानीय आयोजन समिति के साथ चर्चा कर कार्य योजना बनाना उचित होगा।

शेष शुभ।

(मोहनलाल गुप्ता)
प्रादेशिक सचिव

प्रतिलिपिः-

1. श्रीमान अध्यक्ष/संगठन मंत्री/ सहसंगठन मंत्री विद्याभारती मध्यभारत प्रान्त।
2. श्रीमान प्रान्त प्रमुख /समस्त विभाग समन्वयक मध्यभारत प्रान्त।

P-Swadesi Jagran manch 2020